BGGCT-135

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एस.सी.जी./बी.एससी.एम.)
में
मूल (कोर) पाठ्यक्रम
पर्यावरणीय भूगोल

1 जनवरी, 2026 से 31 दिसम्बर, 2026 तक वैध

विज्ञान विज्ञापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110068
(2026)

प्रिय विद्यार्थी,

सत्रीय कार्य को हल करने की शुरुआत करने से पहले, आपको वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य अनुभाग को पढ़ना होगा, जो हमने आपके नामांकन के बाद आपको भेजे हैं। सत्रीय कार्य घटक के लिए, निरंतर मूल्यांकन के एक भाग के रूप में 30 प्रतिशत का भार निर्धारित किया गया है। इसमें इस पाठ्यक्रम के लिए एक अनुशिक्षक–चिह्नित कार्य शामिल है। हम इस पुस्तिका में तीन भागों–भाग ए, भाग बी और भाग सी को मिलाकर कार्य प्रदान कर रहे हैं। तीनों भागों के लिए कुल अंक 100 हैं। 100 अंकों में से, आपको सत्रीय कार्य घटक को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कम से कम 35 % अंकों या 35 अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।

सत्रीय कार्य के संरूपण से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य को हल करने से पहले, कृपया नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका में पहले पृष्ठ के शीर्ष भाग पर, नीचे दिए गए प्रारूप में अपना विवरण ठीक से लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

(नोटः देरी से बचने के लिए समय पर मूल्यांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने हेतू इस निर्दिष्ट प्रारूप का पालन करना अनिवार्य है)।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप आकार के लेखन कागज का उपयोग करें (यह बहुत पतली किस्म और खराब गुणवत्ता का नहीं होना चाहिए)।

3) अपनी उत्तर पुस्तिका के बाएं, ऊपर और नीचे 4 सेंटीमीटर का अंतर छोड़ें।

4) आपके उत्तर सटीक होना चाहिए।

5) इस सत्रीय कार्य के भाग ए, भाग बी और भाग सी में दिए गए प्रत्येक प्रश्न को अलग–अलग पूरा करें और इन सभी को एक **साथ जमा करें।**

6) निर्धारित उत्तर तिथि के भीतर सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाएं आपको अध्ययन केंद्र में जमा करवानी हैं। **निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।** यह सुझाव दिया जाता है कि आपको सभी जमा किए गए सत्रीय कार्य की अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की एक प्रतिकृति कॉपी रखनी चाहिए।

7) यह **सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2026** तक मान्य है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में असफल रहते हैं या इसे 31 दिसंबर, 2026 तक जमा करने में असफल रहते हैं, तो आपको अगले साल 2027 के लिए नया सत्रीय कार्य अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा, और इसे कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार जमा करना होगा।

8) **आप सत्रीय कार्य को जमा किए बिना इस पाठ्यक्रम के लिए सत्रांत / अंतिम परीक्षा में उपस्थित होने के लिए परीक्षा फॉर्म नहीं भर सकते।** किसी भी अन्य प्रश्नों के लिए, कृपया पाठ्यक्रम समन्वयक से दिए गए ईमेल पर संपर्क करें: subhakanta@ignou.ac.in / knrao@ignou.ac.in।

हम आपको आपके स्नातक कार्यक्रम के इस भाग के सफल समापन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः BGCCT-135
सत्रीय कार्य कोडः BGCCT -135/TMA/2026
अधिकतम अंकः 100

भाग–ए

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।

1. "मानव पारिस्थितिकी अध्ययन का बहुविषयक क्षेत्र है" विस्तार में बताएँ।
2. तटीय क्षेत्रों में मानव–पर्यावरण संबंध पर विस्तार से चर्चा करें।
3. उपयुक्त उदाहरणों के साथ वायु प्रदूषण के कारणों, प्रभावों और प्रबंधन की व्याख्या कीजिए।
4. सतत् विकास की अवधारणा का वर्णन कीजिए। 17 सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

भाग–बी

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।

5. पर्यावरण के संरक्षण और विकास के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई गई किन्हीं पाँच पहलों की व्याख्या कीजिए।
6. भारत में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) प्रक्रियाओं पर उपयुक्त उदाहरणों सहित विस्तार से चर्चा करें।
7. मानव–जनित प्रभावों के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन से संबंधित साक्ष्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

भाग–सी

8) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक के हैं।

क) उष्णकटिबंधीय वर्षावन जीवोम

ख) पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यावरणीय समस्याएँ

ग) ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन

घ) स्वस्थाने और बहिःस्थाने जैव विविधता का प्रबंधन

ङ) भारत में वायु और जल गुणवत्ता मानक

च) उत्तर–दक्षिण वाद–विवाद।